CS(M) EXAM

S

F–DTN–M–QJMA

PHILOSOPHY

Paper—I

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

*Each question is printed both in **Hindi** and in **English**.*

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

*Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any **three** of the remaining questions selecting at least **one** question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION—A

1. Write short notes on the following in about **150** words each : 5×12=60

   (a) 'Logicial positivism broadly claims that Metaphysics and Theology are meaningless because they are neither matters of logic nor verifiable empirically.' Critically examine.

   (b) John Locke said that 'No man's knowledge can go beyond his experience'. Discuss critically the implication of this statement.

   (c) According to Wittgenstein 'Philosophy is a battle against the bewitchment of our intelligence by means of language'. Explain the function of philosophy in the context of above statement.

   (d) How does Descartes' 'Cogito Ergo Sum' affect Hume and Kant's transcendental philosophy ? Explain.

   (e) Sören Kierkegaard clarified that "The function of prayer is not to influence God but rather to change the nature of the one who prays". Comment on this statement.

2. Answer the following in about **200** words each : 4×15=60

   (a) If 'every determination is negation' then how can substance have attributes ? Explain.

खण्ड—'क'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **150** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये : 5×12=60

   (अ) 'तार्किक भाववाद यह दावा करता है कि तत्वमीमांसा और ईश्वरमीमांसा अर्थहीन हैं क्योंकि वे न तो तर्कशास्त्र के विषय हैं और न ही आनुभविक रूप से सत्यापनीय हैं।' इसका आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

   (ब) जॉन लॉक ने कहा कि—"किसी भी व्यक्ति का ज्ञान उसके अनुभव से परे नहीं जा सकता।" इस कथन के निहितार्थ का आलोचनात्मक विवेचन कीजिये।

   (स) विट्गेन्सटाइन के अनुसार—"दर्शनशास्त्र भाषा द्वारा हमारी बुद्धि के सम्मोहन के विरुद्ध एक संघर्ष है।" उपरोक्त कथन के संदर्भ में दर्शनशास्त्र के कार्य को समझाइये।

   (द) डेकार्ट का 'कोजिटो एरगो सम' किस प्रकार ह्यूम तथा काण्ट के इन्द्रियातीत दर्शन को प्रभावित करता है ? स्पष्ट कीजिए।

   (इ) सोरेन कीर्किगार्ड ने यह स्पष्ट किया कि—"प्रार्थना का कार्य ईश्वर को प्रभावित करना नहीं है बल्कि उस व्यक्ति के स्वभाव को परिवर्तित करना है जो प्रार्थना करता है।" इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में उत्तर दीजिये : 4×15=60

   (अ) यदि 'प्रत्येक नियतिकरण निषेधीकरण है' तो द्रव्य के गुण कैसे हो सकते हैं ? स्पष्ट कीजिये।

 (Contd.)

(b) Why is Kant's philosophy known as a Copernican revolution in metaphysics ? What was revolutionary about Kantian philosophy ? Give reasons for your answer.

(c) Does Leibnitz succeed in combining the mechanical with the teleological view of the world ? Explain his theory of Pre-established Harmony.

(d) Was Hume a Sceptic ? If not then what is his contribution to Philosophy ?

3. Answer the following in about **200** words each : $4 \times 15 = 60$

(a) Elucidate Existentialism and indicate its strong and weak points in your own words.

(b) Discuss Aristotle's metaphysical theory as a polemic against Plato's theory of Ideas.

(c) If 'To be is to be perceived' then how does Berkeley explain the permanence of things ? Explain.

(d) Explain the theory of definite descriptions according to Russell.

4. Answer the following in about **200** words each : $4 \times 15 = 60$

(a) Does monadology sufficiently explain the nature of substance ? Are monads independent of each other ? Explain.

(ब) काण्ट के दर्शन को तत्वमीमांसा में कोपर्निकसीय क्रांति के रूप में क्यों जाना जाता है ? काण्ट के दर्शन में क्रांतिकारी क्या था ? अपने उत्तर के लिये तर्क दीजिए।

(स) क्या लाइबनिज़ जगत के यान्त्रिक और परिणामवादी दृष्टिकोणों को मिलाने में सफल हुए हैं ? उनके पूर्व-स्थापित सामंजस्य सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिये।

(द) क्या ह्यूम एक संशयवादी थे ? यदि नहीं तो दर्शन को उनका क्या योगदान है ? उत्तर दीजिये।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग **200** शब्दों में उत्तर दीजिये : $4\times15=60$

(अ) अस्तित्ववाद को समझाइये तथा इसके सबल और निर्बल पक्षों को स्वयं के शब्दों में बताइये।

(ब) अरस्तू के तत्वमीमांसीय सिद्धान्त का, प्लेटो के प्रत्ययों के सिद्धान्त के खण्डन के रूप में, विवेचन कीजिये।

(स) यदि 'दृश्य होना ही सत् होना है' तो बर्कले वस्तुओं के स्थायित्व की किस प्रकार व्याख्या करते हैं ?

(द) रसल के अनुसार निश्चित विवरणों के सिद्धान्त को समझाइये।

4. निम्नलिखित में से प्रत्येक के लगभग **200** शब्दों में उत्तर दीजिये : $4\times15=60$

(अ) क्या चिद्णुवाद द्रव्य के स्वरूप की पर्याप्त व्याख्या करता है ? क्या चिद्णु एक दूसरे से स्वतन्त्र है ? समझाइये।

 (Contd.)

(b) Critically examine John Locke's categorisation of primary and secondary qualities and explain the problem it posed to Later Empiricists.

(c) Explain Hegelian dialectical method and show how it is useful in explaning the historical development process ?

(d) Explain critically Quine's rejection of the analytic synthetic distinction and his subsequent philosophical arguments.

SECTION—B

5. Write short notes on the following in about **150** words each : $5 \times 12 = 60$

(a) Why do *Carvākas* not believe in the validity of inference ? What logic do they give for their belief ?

(b) Critically evaluate *Jaina* doctrine of relative pluralism or *Anekāntvāda*.

(c) How *Sāmkhya* theory of causation is different from that of *Nyāya* theory of causation ? Explain.

(d) Why does *Mīmāṁsā* give utmost importance to SHABDA-PRAMĀNA the verbal testimony ? Is it anything to do with Vedas ? Give your comments.

(e) Do you agree with the view that in early Buddhism more importance was given to Four Noble Truths than to systematic metaphysics ? Give reasons for your agreement or disagreement.

(ब) जॉन लॉक द्वारा प्रस्तुत प्राथमिक और गौण गुणों के भेद तथा उत्तरकालीन अनुभववादियों के लिये इससे उत्पन्न समस्या का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(स) हीगल की द्वन्द्वात्मक पद्धति को स्पष्ट कीजिए तथा यह दर्शाइये कि ऐतिहासिक विकास क्रम को स्पष्ट करने में यह किस प्रकार उपयोगी है ?

(द) विश्लेषणात्मक और संश्लेषणात्मक के भेद का क्वाइन द्वारा खण्डन तथा उसके अनुवर्ती दार्शनिक तर्कों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

खण्ड—'ख'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **150** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये : 5×12=60

(अ) *चार्वाक* अनुमान की प्रामाणिकता में विश्वास क्यों नहीं करते ? वह अपने मत के लिये क्या तर्क देते हैं ?

(ब) जैन दर्शन के सापेक्ष बहुतत्ववाद या *अनेकान्तवाद* के सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

(स) *सांख्य* दर्शन का कारणता का सिद्धान्त न्याय दर्शन के कारणता-सिद्धान्त से किस प्रकार भिन्न है ? स्पष्ट कीजिये।

(द) *मीमांसा* दर्शन शब्द-प्रमाण को अत्यधिक महत्व क्यों देते हैं ? क्या इसका वेदों से सम्बन्ध है ? अपनी टिप्पणी दीजिये।

(इ) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि प्रारम्भिक बौद्ध दर्शन में व्यवस्थित तत्वमीमांसा की अपेक्षा चार आर्य सत्यों को अधिक महत्व दिया गया है ? अपनी सहमति या असहमति के लिये तर्क दीजिये।

 (Contd.)

6. Write short notes on the following in about **200** words each : 4×15=60

   (a) Discuss the views of *Mīmāṁsā* and *Nyāya* on the theory of *Pramānyavāda.* Which of them do you find adequate ? Give reasons for your answer.

   (b) Examine critically the statement that 'the doctrine of *pāticcasamuppāda* was given only to explain the problem of sorrow and not to solve the problems of metaphysics'.

   (c) Explain the theory of illusion accepted by Buddhists. Is it consistent with their philosophy ? Give reasons for your answer.

   (d) Do you agree with Ramānuj's view that the nature of Brahman is qualified ? Give reasons for your answer.

7. Write short notes on the following in about **200** words each : 4×15=60

   (a) Write a note on *Shankara's* Vivartavāda and discuss its implications.

   (b) Explain why māyā and avidyā are considered as *anirvacāniya* (indescribable) in Advaita Vedānta ?

   (c) On what basis does Cārvāka reject the cause-effect relationship ? Give reasons for your answer.

   (d) Critically evaluate the statement that "*Yoga Sutra* emphasises more on praxis (action) than on theoria (reflection)".

 (Contd.)

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये : 4×15=60

(अ) *प्रामाण्यवाद* के सिद्धान्त पर *मीमांसा* और *न्याय* दर्शन के मतों का विवेचन कीजिये। आप इनमें से किसको उपयुक्त मानते हैं ? अपने उत्तर के लिये तर्क दीजिये।

(ब) इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये कि '*प्रतीत्यसमुत्पाद* का सिद्धान्त केवल दुख की समस्या की व्याख्या के लिये प्रस्तुत किया गया न कि तत्वमीमांसा की समस्याओं के समाधान के लिये'।

(स) बौद्ध दर्शन के भ्रम के सिद्धान्त का विवेचन कीजिये। क्या यह उनके दर्शन से संगत है ? अपने उत्तर के लिये तर्क दीजिये।

(द) क्या आप रामानुज के इस विचार से सहमत हैं कि ब्रह्म का स्वरूप सविशेष है ? अपने उत्तर के लिये तर्क दीजिये।

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये : 4×15=60

(अ) *शंकर* के विर्वतवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये और उसके प्रभावों का विवेचन कीजिये।

(ब) अद्वैत वेदान्त में 'माया' और अविद्या को *अनिर्वचनीय* क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिये।

(स) चार्वाक किस आधार पर कारण-कार्य सम्बन्ध का खण्डन करते हैं ? अपने उत्तर के लिये तर्क दीजिये।

(द) "*योगसूत्र* सिद्धान्त की अपेक्षा कर्म पर अधिक बल देता है" इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

 (Contd.)

8. Write short notes on the following in about **200** words each : 4×15=60

   (a) Give your critical comments on the assertion that the school of *Yoga* broadly accepts *Sāmkhyā* ontology.

   (b) 'Involution is the presupposition of Evolution.' Explain the role of involution in the world-process.

   (c) Explain the notion of ego or *ahankara* and its role in the doctrine of *Vedanta.*

   (d) Write a note on *Nāgārjuna's* contribution to *Madhyamica* School of Buddhism.

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये : 4×15=60

(अ) "*योग* दर्शन मोटे रूप से *सांख्य* की सत्तामीमांसा को स्वीकार करता है" इस अभिकथन पर अपनी आलोचनात्मक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिये।

(ब) 'अंतर्ग्रसन विकास की पूर्वापेक्षा है।' विश्व प्रक्रिया में अंतर्ग्रसन की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

(स) *अहंकार* की अवधारणा तथा *वेदान्त* दर्शन में इसकी भूमिका को समझाइये।

(द) बौद्ध दर्शन के *माध्यमिक* सम्प्रदाय को *नागार्जुन* की देन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Serial No. [ ]

F–DTN–M–QJMA

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे | *पूर्णांक : 300*

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेजी*** *दोनों में छपा है।*

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***5*** *अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम* ***एक*** *प्रश्न चुनकर किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें। इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएं। इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही से स्पष्ट रूप से काट दें। खाली छूटे हुए पृष्ठों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएं, ऐसा हो सकता है।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*